भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4738

उत्तर देने की तारीख: 21.08.2025

जनजातीय हस्तशिल्प के संवर्धन के लिए योजनाएं

4738. श्री थरानिवेंथन एम.एस.:

क्या **जनजातीय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा देश भर में, विशेषकर अरानी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में जनजातीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए कार्यान्वित की जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने तमिलनाडु और अन्य दक्षिणी राज्यों के जनजातीय कारीगरों को कौशल विकास, विपणन और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कोई विशिष्ट कदम उठाए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान ऐसी योजनाओं से लाभान्वित जनजातीय कारीगरों की राज्य-वार कुल संख्या कितनी है;

(घ) क्या भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (ट्राइफेड) ने जनजातीय हस्तशिल्पों की बिक्री और संवर्धन को सुगम बनाने के लिए तमिलनाडु में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) जनजातीय कारीगरों के लिए ऑनलाइन और वैश्विक बाजार तक पहुंच में सुधार लाने और उनके उत्पादों का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क) से (ग) जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (ट्राइफेड) के माध्यम से, देश भर में जनजातीय कारीगरों को सहायता देने और जनजातीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम) योजना का क्रियान्वयन करता है। इसमें जनजातीय कारीगरों/एसएचजी को सूचीबद्ध करके विपणन सहायता और उनसे जनजातीय उत्पादों की खरीद शामिल है। ये उत्पाद 'ट्राइब्स इंडिया' आउटलेट्स, ई-

कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे कि ट्राइब्सइंडिया.कॉम (TribesIndia.com), अमेज़न (Amazon), फ्लिपकार्ट (Flipkart), जीईएम (Gem) आदि के माध्यम से बेचे जाते हैं। 31.03.2025 तक कुल 5927 आपूर्तिकर्ता/उत्पादक ट्राइफेड के साथ सूचीबद्ध हैं, जो 3,05,485 परिवारों से जुड़े हैं। इसमें तिरुवन्नामलाई जिले के अरनी लोकसभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के 912 परिवारों से जुड़े 2 कारीगर/आपूर्तिकर्ता शामिल हैं।

इसके अलावा, ट्राइफेड, पीएमजेवीएम और प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के अंतर्गत वन धन विकास केंद्रों (वीडीवीके) के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, उद्यमिता प्रशिक्षण आदि के माध्यम से भी सहायता प्रदान करता है। पीएमजेवीएम के अंतर्गत, पाँच दक्षिणी राज्यों (आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना और तमिलनाडु) में 1,84,544 संबद्ध सदस्यों के साथ 624 वीडीवीके स्वीकृत किए गए हैं। इसी प्रकार, पीएम जनमन योजना के अंतर्गत, इन पाँच राज्यों में 12365 संबद्ध सदस्यों के साथ 175 वीडीवीके स्वीकृत किए गए हैं।

(घ) ट्राइफेड वर्तमान में तमिलनाडु राज्य में 13 ट्राइब्स इंडिया आउटलेट/फ्रैंचाइज़ी साझेदारों का संचालन करता है। ये आउटलेट जनजातीय कारीगरों द्वारा निर्मित वस्त्र, हस्तशिल्प, जैविक उत्पाद और पारंपरिक कलाओं सहित दस्तकारी (हथकरघा) वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित करते हैं। ट्राइफेड ने 3,315 परिवारों से जुड़े 46 जनजातीय कारीगरों/आपूर्तिकर्ताओं को सूचीबद्ध किया है, जिनसे तमिलनाडु में नियमित रूप से खरीदारी की जाती है। इस नेटवर्क का विस्तार करने के लिए, ट्राइफेड राज्य भर में जनजातीय कारीगर पैनलीकरण मेले (टीएईएम) आयोजित करता है, जो अधिक कारीगरों और आपूर्तिकर्ताओं को जुड़ने का अवसर देता है।

(ङ.) जनजातीय कारीगरों को वैश्विक बाज़ार तक पहुँच प्रदान करने के लिए, ट्राइफेड अंतरराष्ट्रीय थोक खरीदारों के साथ जुड़ता है और घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों में भाग लेकर कार्यनीतिक साझेदारियाँ तलाशता है। ट्राइफेड अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में अपनी उपस्थिति मज़बूत करने और उनके विक्रय संवर्धन के अवसरों की तलाश के लिए विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के साथ सहयोग भी कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, ट्राइफेड ने धातु शिल्प, मिट्टी के बर्तन, चित्रकारी, आभूषण, वस्त्र, उपहार और मिश्रित वस्तुओं के साथ-साथ बेंत और बाँस आदि जैसी व्यापक श्रेणियों से संबंधित विभिन्न जनजातीय उत्पादों का निर्यात किया है।